Year 18 | Issue 05 | DOP 10 JANUARY 2025 | Pages 08 | ₹ 10/- Copy | © 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com

Emocare

Velpy-200/300/500

Emofexine Plus -50

Our General Divisions

New Molecules available

NUECAD

Metolip-ER 25/50 Metoprolol Tartrate 25/50 (ER)

Clopidogrel 75 mg *Aspirin 75 mg

lopidogrel 75 mg +Aspirin 150 mg

Tenzex-M



Miraculous surgery saves newborn with rare brain disorder

Prayagraj: In a remarkable feat, doctors at Narayan Swaroop Hospital in Mundera successfully

skull. After being refused treatment at multiple hospitals, the family finally found hope at Narayan Swaroop



operated on a newborn with a rare birth defect, giving him a second lease of life. The child, born on Nov 9, was diagnosed with a condition called encephalocele, where brain

laparoscopic surgeon Dr Rajiv Singh, performed a complex fourand-a-half-hour surgery on the 21day-old child. After a 10-day ICU stay, the child made a full recovery.

Doctors say the child will require follow-up care for five years to monitor any potential brain effects

Hospital. A team of doctors, led by

Case of selling fake medicines in the name of Ayurvedic medicine caught

New Delhi. A case of selling fake medicines in the name of Ayurvedic medicine has come to light. The police have started an investigation into the case of cyber fraud in the name of an Ayurvedic company Sanyasi Ayurveda. This investigation started on the complaint of a director of the company. He had alleged that fake Ayurvedic medicines were being sold by misusing the promotional video and name of his brand. According to the complainant, advertisements in the name of his company were being used to sell fake medicines. When he called the number given in the advertisement, the tele-caller introduced himself as a representative of the company. On the same day he ordered the medicine for Rs 1,800, which was delivered on December 1.The sender's address was not on the package. However, according to the address received from the courier company, this package was sent from Ghaziabad.

IMA launches project to combat **Antimicrobial** Resistance in Indian hospitals

New Delhi: As per news received Indian Medical Association (IMA) has announced the launch of 'IMA AMR Smart Hospital Project," an initiative to address the growing concern of Antimicrobial Resistance (AMR) across healthcare facilities in India. The initiative aims to strengthen antimicrobial stewardship (AMS) & Infection Prevention & Control (IPC) strategies by monitoring AMR patterns, improving antimicrobial stewardship, and preventing the spread of resistant pathogens within healthcare facilities.

Our hospitals are reservoirs of pathogens, making it imperative to implement strong IPC and AMS protocols. With this initiative, we aim to set benchmarks for safe and effective health-

care delivery in the fight against AMR," stated Dr Anilkumar J Nayak, Secretary General, IMA. This program is an extension of the pilot project, which was conducted over KD Hospital in Ahmedabad, Gujarat; Mahavir Jaipuria Rajasthan Hospital in Jaipur; Sehgal Neo Hospital in Delhi; and Ananthapuri Hospital and Research Institute in Kerala. An Accreditation Committee was formed to oversee and monitor the initiative including an on-site assessment to make a comprehensive analysis," the release stated

Email: order@mestrapharma.com, Website: www.mestrapharma.com Chemists selling spurious meds

may face prosecution

Registered Office: -A-401/402, Empire Business Hub, Science City Road, Ahmedabad-380060 (Gujarat)-India,

Gensure-Sachet

Gensure-LC

NMPC-softgel/SR tab/ Ini

Gensure-F

New Delhi: Cracking the whip, the government has formed a committee to frame rules for prosecuting chemists and retailers selling spurious drugs.

said the panel will examine ways for prosecuting erring chemists and retail shops to control the growing menace of spurious drugs. He said the government move gains signifi-

For any query :- 9719839944 (GII & SMS)

We have more than 2000 Products

in our Successfully

Running Company.

Antihist-D

Candigel

Eberil



According to the Central Drugs Standard Control Organisation (CDSCO), it had come to light after investigations that in case of spurious drugs, a chemist or retail store claims to produce GST bills/ invoice of the drug which they have purchased. However, in most cases, the place of procurement is from another part of the country.

This means that whenever shop keepers or chemists are caught selling substandard/spurious drugs, they show a valid bill which is usually procured from another state, said a senior official. The official Controller, Karnataka.

cance as chemist and retailer shops are last part for selling drugs to the general public and the Drugs and Cosmetics Act and rules are made for welfare and upkeep of public health, making it vital to address this issue of sale of spurious drugs from the point of sale.

The committee comprises several officials including Rishi Kant Singh, legal consultant, CDSCO; Sushant Mahapatra, Advocates & Solicitors; Hrushikesh Mahapatra, former Drugs Controller, Odisha; and BR Jagashetty, former Drugs



ड्गिस्ट एसोसिएशन (एसकेडीसीडीए) ने चिंता जताई है कि कोविड-19 महामारी के दौरान लोगों के घरों तक दवाइयां पहुंचाने के लिए दी गई विशेष अनमति का अवैध ऑनलाइन प्लेटफॉर्म द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य को बडा खतरा हो रहा है। जवाब में, ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड इगिस्ट्स (एआईओसीडी) और एसकेडीसीडीए ने केंद्र सरकार से इस प्रावधान को तुरंत रह करने का आग्रह किया है। एसकेडीसीडीए के अध्यक्ष अरुण कुमार शेट्टी और सचिव डॉ एके जमाल ने कहाँ कि दोनों संगठन, जो राज्य और देश भर के केमिस्ट और वितरकों का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव को तीसरी बार पत्र लिखकर महामारी के दौरान जारी जीएसआर 220 (ई) अधिसूचना को वापस लेने का अनुरोध किया है।

महामारी के दौरान मार्च 2020 में प्रकाशित

इस अधिसूचना में औषधि अधिनियम की धारा 26बी के तहत कुछ शर्तों के साथ दवाओं की डोरस्टेप डिलीवरी की अनुमति दी गई थी, जो दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण को नियंत्रित करती है। उस समय लगाए गए आवागमन प्रतिबंधों के मद्देनजर प्रावधान ने कछ नियमों में अस्थायी रूप से ढील दी. जिसमें प्रिस्क्रिप्शन स्टैम्पिंग की आवश्यकता भी शामिल है। हालांकि, अवैध प्लेटफॉर्म ने बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन के दवाइयां बेचना शुरू कर दिया है, जिससे स्व-चिकित्सा, नशीली दवाओं का दुरुपयोग और रोगाणुरोधी प्रतिरोध जैसे गंभीर मुद्दे सामने आ रहे हैं। ये प्लेटफॉर्म मरीज की सुरक्षा से ज्यादा मुनाफे को प्राथमिकता दे रहे हैं। अधिसूचना का मूल उद्देश्य लाइसेंस प्राप्त स्थानीय केमिस्टों द्वारा केवल विशेष परिस्थितियों में दवाओं की डिलीवरी की अनुमति देना था। चूंकि महामारी का आपातकालीन चरण समाप्त हो चुका है। और सामान्य स्थिति वापस आ गई है।







10 JANUARY PHARMA NEWS 2



डोंबिवली (ठाणे) केमिस्ट एसोसिएशन ने केमिस्टों के उत्पीड़न के विरोध में पुलिस अधिकारियों को दिया ज्ञापन



जानकारी मिली है कि डोंबिबली (ठाणे)महाराष्ट्र में पुलिस द्वारा दवा की दुकानों को जबरन बंद कराने के विरोध में वहां की एसोसिएशन ने पुलिस अधिकारियों से मिलकर ज्ञापन सौपा। डोंबिबली केमिस्ट एसोसिएशन के चेयरमैन श्री निलेश वाणी जी ने मुंबई प्रतिनिधि अभय सिंघल जी को यह जानकारी दी कि पुलिस द्वारा कभी भी केमिस्टों को बिना किसी वजह उनकी दुकान से बाहर निकाल कर जबरदस्ती उनकी दुकानों को बंद करा दिया जाता है। पुलिस किमेंयों का यह व्यवहार केमिस्ट भाइयों के लिए असहनीय है। ऑल इंडिया ऑगेंनाइजेशन केमिस्ट

एंड ड्रिगस्ट के अध्यक्ष श्री जगनाथ शिंदे जी के नेतृत्व में डोंबिवली केमिस्ट एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों नें आमदार राजेश मोरे के साथ पुलिस आयुक्त सुभाष हेमाणे से भेट कर उन्हें पुलिस उत्पीड़न की इस कार्यवाही से अवगत कराया और विरोध में उन्हें ज्ञापन सौपा. पुलिस आयुक्त ने उन्हें इस संदर्भ में पूर्ण कार्यवाही का आश्वासन दिया. इस प्रतिनिधि मंडल में डोंबिवली केमिस्ट एसोसिएशन के चेयरमैन श्री निलेशवाणी, सचिव -संजू भोले, रेवाशंकर गोमती वाल, राजेश कोरपे, लीना विचारे और विलास शिरुड़े भी मौजूद रहे।



NCORD की मिटिंग में दिशा निर्देश जारी किए

राजस्थान: पाली में ड्रग इंस्पेक्टर दिनेश सुशार एवं माधोसिंह के निर्देश पर सभी मेडिकल स्टोर पर कैमरे लगवाए गए। नशा मुक्ति केंद्रों का निरीक्षण कर नशीली दवाइयों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 6 दिसम्बर को जिला कलेक्टर की अध्यक्षता मे NCORD की मासिक मीटिंग हुई जिसमे नारकोटिक नियम के संबंध मे दिशा निर्देश दिए गए।

दवा माफिया के खेल: कैंसर, हृदय और किडनी रोग की दवाएं भी नकली, इन नामी कंपनियों के नमूने फेल

केंसर, किडनी-लिवर और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों की द्वाएं भी नकली मिल रही हैं। इससे कई मरीजों की जान भी जा चुकी हैं। औषधि विभाग की जांच में औसतन हर तीसरा नमूना फेल मिल रहा है। औषधि विभाग ने बीत साल करीब 286 नमूनों की हिमाचल, गुजरात की कंपनी का नाम : दवा माफिया ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात की नामी कंपनियों के नाम से नकली दवाएं बनाई। औषधि विभाग के छापे में प्योर एंड क्योर हेल्थ केयर, एकम्स ड्रग्स, एंड डी पिल्स केसर, स्माइलेक्स हेल्थकेयर.



रिपोर्ट मिली। इसमें से करीब 150 नम्ने द्वाओं के बाकी के कच्चे माल के रहे। जांच में दवाओं के 47 नम्ने फेल मिले। इसमें 35 नकली और बाकी अधोमानक पाए गए। इनमें कैंसर, किडनी-लिवर, हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, जुकाम-खांसी, बुखार की दवाएं नकली मिलीं। मानसिक रोग, एंटीबायोटिक, पेट दर्द की दवाएं भी मानकों पर खरी नहीं उतरीं। दवा माफिया ने करोड़ों की दवाएं बाजार में खपा दीं।

हिमालया मेडिटेक, अल्फा प्रोडक्ट, वीके लाइफ साइंसेज, अबॉर्ट हेल्थ केयर, केडला मेडिटेक कंपनी के नाम से नकली दवाएं बरामद की गई। सहायक आयुक्त औषधि अतुल उपाध्याय ने बताया कि गंभीर रोगों की दवाएं भी जांच में नकली मिली हैं। इनकी रिपोर्ट बनाई है और आरोपियों के खिलाफ केस भी दर्ज कराया है। बीते साल करीब 20 करोड़ की दवाएं-उपकरण जबा किए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 6.6 करोड़ रुपये की नकली दवाएं जब्त कीं

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कोलकाता में एक थोक फर्म के परिसर में छापेमारी के दौरान 6.6 करोड़ रुपये की नकली दवाएं जब्त की गई हैं। यह कार्यवाही केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और पश्चिम बंगाल के औषधि नियंत्रण निदेशालय द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी।

कोलकाता में केयर एंड क्योर फॉर यू नामक फर्म पर छापेमारी के परिणामस्वरूप कैंसर रोधी, मधुमेह रोधी और अन्य दवाएं जब्त की गईं, जिनके नकली होने का संदेह है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, आयरलैंड, तुर्की, बांग्लादेश और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) सहित विभिन्न देशों में निर्मित होने के रूप में लेबल की गईं दवाएं भारत में उनके वैध आयात को साबित करने के लिए किसी भी सहायक दस्तावेज के बिना पाईं गईं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि जांच दल को कई खाली पैकिंग सामग्री मिली, जिससे जब्त उत्पादों की प्रामाणिकता पर चिंता बढ़ गईं। मंत्रालय ने कहा, जांच के दौरान थोक फर्म के मालिक को गिरफ्तार किया गया, जिसे सीडीएससीओ के पूर्वी क्षेत्र विंग के ड्रग्स इंस्पेक्टर ने हिरासत में लिया। एक अदालत ने आरोपी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और आगे की पृछताछ की अनुमित दी है। मामले में आगे की जांच जारी हैं।

Aarise Pharmaceuticals H. O. : Kh. No. 32, Shri Vas Greens, SIDCUL Road, Haridwar-249402, Uttarakhand ARISE Web - www.arisepharma.com Email - info@aarisepharma.com Contact - +91 9899783330 , +91 9289410333 harmaceuticals WE Offer QUIT Smoking Monopoly Distributorship Varenicline Tartrate of our range... Tablets 1mg Smoke Vex 10x1x10 Tablets DCGI Approved FDC are also available Tablets) Capsules Liquid Ointments **Complete Marketing & Distribution Support**

VSD surgery at BHU offers new hope for heart attack survivors

Varanasi: Doctors at the department of cardiology at the Institute of Medical Sciences (IMS), Banaras Hindu University (BHU), successfully performed a complex ventricular septal defect (VSD) device closure on a 65-year-old male recovering from a myocardial infarction (MI), commonly called a heart attack.

The VSD was performed by a team of skilled doctors, including prof Vikas Aggrawal, Dr Pratibha Rai, Dr Srasti, and Dr Arjun. Prof Aggrawal said, "Apart from the VSD device closure, the patient also underwent an angioplasty procedure to treat blocked coronary arteries. He's now back to his routine activities at the time of the first follow-up.

He explained that ventricular septal rupture (VSR) or defect is a rare but life-threatening complication of acute myocardial infarction

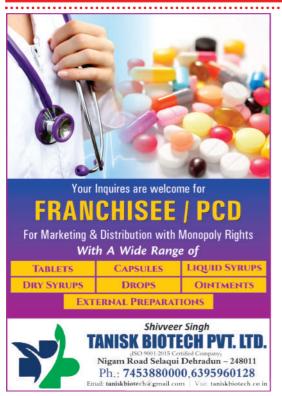
(AMI), occurring in approximately 0.5-1% of cases. "During a heart attack blockages in the arteries supplying the heart muscles lead to the death of heart muscles due to a lack of oxygen and other nutrients. The ventricular septum, a structure separating the right side of the heart (carrying less oxygenated blood) from the left (carrying oxygenated blood), can be affected if its blood supply is compromised. This damage can result in necrosis (tissue death) and a subsequent hole in the septum. Patients with VSR are often critically ill, presenting significant management challenges, Aggrawal said. Prof Aggrawal underscored the technical difficulties of post-MI VSR closures, especially in elderly patients with multiple comorbidities. He highlighted that advancements in interventional techniques now make it possible to repair these defects with minimally invasive procedures, providing a safer alternative to open-heart surgery for high-risk individuals.







10 JANUARY PHARMA NEWS





KGMU introduces non-sur-

gical procedureto remove

common bile duct stones

Lucknow: King George's Medical University

jaundice, pancreatitis, or cholangitis.

surgery, with a cost difference of around Rs

10,000 to Rs 12,000. However, endoscopy

via cholangioscopy is minimally invasive, car-

ries fewer risks, and allows for faster recov-

Mankind Pharma partners with Innovent Biologics for Sintilimab

Mumbai: Mankind Pharma has entered into a strategic partnership with Innovent Biologics to sell

ensure adherence to stringent quality standards. Innovent will also receive advance, regulatory and



Sintilimab in the Indian market. This will provide a transformative treatment to cancer patients in India. It has been told that under the terms of the agreement, Mankind Pharma will have exclusive rights to register, import, market, sell and distribute Sintilimab in India. At the same time, Innovent will oversee the manufacture and supply of the drug. This will

commercial milestone payments as part of the collaboration. Through this partnership, Mankind is emphasizing the importance of its extensive distribution network. With a field force of over 16,000 personnel and over 13,000 stockists across India, Mankind Pharma is well positioned to make Sintilimab widely accessible from urban centers to rural areas.

ery, making it particularly useful for patients who are not suitable candidates for surgery. Doctor, family take Rs 57.5 lakh for medical berth in college, face FIR in Gurgaon

The complainant, Chatter Pal, could secure the seat for my son

"When I called Pankaj in May, police in Oct 2024.



FIR for 'cheating' registered against former trustees of Lilavati Hospital

Mumbai: Mumbai Police has registered a First Information Report against the former trustees of the Lilavati Hospital here for alleged cheating to the tune of Rs 85 crore. The FIR was registered on Monday at Bandra police station on a complaint by current trustee Mohit Suresh Mathur, said an official. Between 2000 and 2023,



"purported trustees" Chetan Vijay Mehta, Rashmi Mehta and Bhavin Mehta allegedly seized control of the trust using fake documents, the complainant claimed. Money was withdrawn in the name of lawyers' fees, consultation charges and purchase of medicines and allegedly used for personal use, the complaint said. Mathur had moved a magistrate's court, seeking a direction to police to register an FIR. On the court's order, the FIR was registered for cheating and criminal breach of trust under relevant Indian Penal Code sections (as alleged offences took place prior to 2024), the police official said, adding that probe was underway. Comments from the hospital spokesperson as well as the persons



-�





4 **PHARMA NEWS 10 JANUARY**



क्षणिकाएं दूष्ट को, नमस्कार कर पाओ पर उससे दुरियां बढाते जाओ कर्म ही, चाहिए। नतीजे, पाईए। 3. आलोचना, भी चाहिए। वरना सुधार, कैसे लाईए। 4. मन की क्षमता बढाओ। हर दर्द, घटाते जाओ। 5. नियंत्रण चाहिए, वरना पछताइये। भोजन और. बोलचाल पर। 6. अवसर आएंगे अवश्य आएंगे। सजग हथियाएंगे सफलता पाएंगे। नरेन्द्र नाथ लाहा. ग्वालियर (म०प्र०)

मो० न० : 9826611169

ओडिशा: एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज ने अनुशासनहीनता के लिए 4 डॉक्टरों को सेवा से बर्खास्त किया

बरहामपुर: प्राप्त समाचार के अनुसार बरहामपुर स्थित एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज और छात्रावास के अधिकारियों ने एक सहायक प्रोफेसर और तीन वरिष्ठ निवासियों सहित चार डॉक्टरों को उनकी सेवाओं से बर्खास्त कर दिया, और एक दूसरे वर्ष के स्नातकोत्तर निवासी को 20 दिसंबर को एक छात्र के साथ मारपीट करने के आरोप में छह महीने के लिए छात्रावास से निष्कासित कर दिया, एक अधिकारी ने कहा। अधिकारी ने कहा कि ऑथोंपेडिक्स के सहायक प्रोफेसर पुरुषोत्तम स्वैन, आर्यन कुमार मोहंती, चिन्मय प्रधान, बाल रोग विभाग में संविदा डॉक्टर के रूप में लगे वरिष्ठ निवासी और सामान्य सर्जरी विभाग में स्नातकोत्तर वरिष्ठ निवासी यशवंत वीरा को समाप्त कर दिया गया है, जबिक ऑथोंपेडिक्स में द्वितीय वर्ष के स्नातकोत्तर निवासी प्रियजीत साहू को छह महीने के लिए छात्रावास से वंचित कर दिया गया है।

ओडिशा सरकार द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेज की डीन और प्रिंसिपल सुचित्रा दाश ने बताया कि 23 दिसंबर को कॉलेज काउंसिल की बैठक में लिए गए फैसले के बाद यह कार्रवाई की गई और अनुशासनात्मक कारणों से चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण निदेशक (डीएमईटी) द्वारा निर्देशित किया गया। पीडित पीजी छात्र द्वारा बैद्यनाथपुर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराने के बाद पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि 20 दिसंबर को रात करीब 12.30 बजे हॉस्टल परिसर में उसके सीनियर ने उसके साथ मारपीट की।





आईवीएफ में गलत शुक्राणु के कारण हुई गड़बड़ी के बाद दम्पति ने डॉक्टर पर मेडिकल बलात्कार का मुकदमा दायर किया

नई दिल्ली: चिकित्सा कदाचार के एक परेशान करने वाले मामले में, कैलिफोर्निया के एक दंपति ने 1980 के दशक में आईवीएफ उपचार के दौरान पत्नी को गर्भवती करने के लिए एक अजनबी के शुक्राणु का उपयोग करने के लिए एक प्रजनन चिकित्सक पर मुकदमा किया है। रहस्योद्घाटन दशकों बाद हुआ जब उनकी बेटी, अपने वंश के बारे में उत्सुक थी, ने डीएनए परीक्षण कराया जिसमें चौंकाने वाला सच सामने आया।

माता-पिता बनने की हताश यात्रा : जेन और जॉन रो, जो बांझपन से जूझ रहे थे, ने 1983 के लिए प्रेरित किया, अंतत: पता चला कि डॉ. डेंजर ने IVF प्रक्रिया के दौरान जॉन के शुक्राणु के बजाय एक अज्ञात दाता के शुक्राणु का उपयोग किया था। इस विश्वासघात के कारण जेन ने डॉ. डेंजर पर मेडिकल रेप का आरोप लगाते हुए मकदमा दायर किया, एक ऐसा शब्द जिसका उपयोग किसी और के शुक्राणु को बिना सहमित के उपयोग करने के अनैतिक कार्य का वर्णन करने के लिए किया जाता है। परिवार की खोज तब और जटिल हो गई जब उन्हें पता चला कि बेटी के 16 जैविक सौतेले भाई-बहन हैं. सभी का गर्भाधान 1971 और 1992 के बीच डॉ. डेंजर के IVF

> भावनात्मक और कानूनी नतीजे : इस खोज से तबाह हो चुके दंपत्ति अब मेडिकल बैटरी, भावनात्मक संकट और कदाचार के लिए कानूनी मदद की तलाश कर रहे हैं। मुकदमा जेन पर भावनात्मक बोझ को उजागर करता है, जो डॉक्टर के कार्यों से अपमानित महसूस करती है, और जॉन, जो इस रहस्योद्घाटन से स्तब्ध रह गया कि वह अपने बच्चों का जैविक पिता नहीं है। जॉन की पहचान और पिता होने की भावना पर गंभीर असर पड़ा है, क्योंकि वह इस तथ्य से निपटने के लिए संघर्ष करता है कि उसकी बेटियाँ उससे जैविक रूप से संबंधित नहीं हैं। स्थिति को और जटिल बनाते हुए, परिवार को जैविक पिता के स्वास्थ्य इतिहास के बारे में परेशान करने वाले विवरण पता चले, जिसने जुड़वा बच्चों के लिए

संभावित दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में चिंताएँ पैदा कीं। दंपत्ति अब शारीरिक और वित्तीय नुकसान को दूर करने के लिए हर्जाना और जुरी ट्रायल की मांग कर रहे हैं।

कानूनी निहितार्थ और अनुत्तरित प्रश्न : इस मामले ने प्रजनन डॉक्टरों की नैतिक प्रथाओं पर महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया है, कानूनी विशेषज्ञों ने कहा है कि अनिधकृत शुक्राणु का उपयोग चिकित्सा नैतिकता और रोगियों के अधिकारों दोनों का गंभीर उल्लंघन है। यह मुकदमा डॉ. डैनजर द्वारा विचाराधीन अवधि के दौरान संभाले गए अन्य IVF मामलों में शुक्राणु के संभावित दुरुपयोग के बारे में भी सवाल -जैसे मामला अदालत उठाता है। जैसे-में आगे और धोखे के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। reported directly over phone.

Delhi govt directs hospitals to stay prepared amid concerns over

HMPV New Delhi: Delhi government on Monday directed all the hospitals in the capital to remain fully prepared to manage a potential surge in respiratory illnesses following the detection of two cases of Human Metapneumovirus (HMPV) in Karnataka. In a directive marked "Most Urgent", Delhi Health Minister Saurabh Bharadwaj instructed the health and family welfare department to closely monitor the situation, and remain in constant touch with the Union health ministry for timely updates. Hospitals under the Delhi government must be fully equipped to handle any potential increase in respiratory illnesses, as advised by the Union health ministry." the directive issued by Bharadwai said. The health secretary has been tasked with inspecting three government hospitals daily, beginning with the largest facilities, and submit detailed reports on several key parameters, including availability of medicines as per the essential drug list, ICU beds, and the operational status of PSA oxygen plants and radiological equipment.

The hospitals are also required to ensure the availability of data entry operators at the OPD and IPD counters, besides adhering to the standard operating procedures for acute respiratory illnesses. The directions came after the Union health ministry confirmed that the Indian Council of Medical Research had detected two cases of HMPV in Karnataka through routine surveillance for multiple respiratory viral pathogens. First, a three-month-old female infant with a history of bronchopneumonia was diagnosed with HMPV after being admitted to Baptist Hospital in Bengaluru. She has now been discharged. In the second case, an eight-month-old male infant, also with a history of bronchopneumonia, tested positive for HMPV on January 3 at Baptist Hospital. He is now recovering, the ministry said. It is important to track the trends in respiratory illnesses across the national capital and act promptly on बढ़ता है, दंपति को उम्मीद है कि डॉ. डैनजर any issues requiring attention. Any matter को उनके कार्यों के कारण होने वाले संकट needing immediate decisions should be

एक महीने तक रोजाना नाश्ते में खाएं एक सेब, आसान हो जाएगा वेट लॉस: हार्ट भी रहेगा हेल्दी

नई दिल्ली: Apple For Breakfast: सेब को सेहत का खजाना कहा जाए तो गलत नहीं होगा। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी होता है जो हमारी इम्यनिटी को मजबत बनाता है। इसमें शामिल फाइबर न सिर्फ डाइजेशन को बेहतर बनाता है, बल्कि वजन कम करने में भी हमारी मदद करता है। सेब मौजूद में इसके अलावा, एंटीऑक्सीडेंट्स हमारी कोशिकाओं को नकसान से बचाते हैं। ऐसे में, आइए जानते हैं कि रोजाना एक महीनेभर तक नाश्ते में एक सेब खाने से सेहत को क्या-क्या फायदे मिल सकते

फाइबर का

खजानाः सेब

पना इब र

भरा रखता है

जिससे आप

बार - बार

फाइबर पाया

आपके

को

जाता

भरपूर

है।

पेट

लंबे

तक

पोटेशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। हार्ट अटैक से बचाव: सेब में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके दिल को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं और

कम करने में मदद करता है।

हार्ट अटैक का खतरा कम करते हैं। एक महीने में क्या-क्या बदलाव आएंगे? कम होगा वजन: नियमित रूप से सेब खाने

पेक्टिन नामक घुलनशील फाइबर आपके

खून में मौजूद बैंड कोलेस्ट्रॉल (LDL) को

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करे: सेब में मौजूद

सुनील नटानी 9829966850 alsun Pharmaceuticals F-101. Sarna Dungar Indl.13, Jaipur

खाने की इच्छा महसूस नहीं करते। इससे आपकी कैलोरी का इनटेक कम होता है और वजन कम करने में मदद मिलती है। **लो कैलोरी:** सेब में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। आप इसे बिना किसी चिंता के अपने डाइट में शामिल कर सकते हैं। **मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है:** सेब में मौजूद कछ तत्व आपके मेटाबॉलिज्म को बढाने में मदद करते हैं। मेटाबॉलिज्म बढ़ने से आपका शरीर कैलोरी को तेजी से बर्न करता है और वजन कम होता है।

ब्लड शुगर को कंट्रोल करे: सेब में मौजूद फ्रुक्टोज ब्लड शुगर को धीरे-धीरे बढ़ाता है जिससे आपकी इंसुलिन की मात्रा कांबु में रहती है। इससे वजन बढ़ने का खतरा कम

वैड कोलेस्ट्रॉल कम करता है: सेब में मौजूद

से एक महीने में आपका वजन कुछ किलो तक कम हो सकता है।

डाइजेशन में सुधार: सेव में मौजूद फाइबर आपके पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और कब्ज की समस्या से बचाता है।

एनर्जी लेवल बढ़ेगा: सेब में मौजूद प्राकृतिक शुगर आपको दिन भर ऊर्जावान रखती है। हेल्दी रहेगी स्किन: सेब में मौजूद विटामिन सी त्वचा को हेल्दी और चमकदार बनाता है। इन बातों का रखें ध्यान

1. सेब को सुबह खाली पेट खाने से आपको ज्यादा फायदा मिलता है।

2. सेब को छिलके समेत खाएं क्योंकि ज्यादातर फाइबर छिलके में ही पाया जाता

3. आप सेब को अन्य फलों के साथ मिलाकर भी खा सकते हैं।



में लॉस एंजिल्स स्थित आईवीएफ विशेषज डॉ. हैल सी. डैनजर की ओर रुख किया। तीन असफल प्रयासों के बाद, जेन ने अप्रैल 1984 में सफलतापूर्वक जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। हालािक, खुशी अल्पकािलक थी क्योंकि जन्म के त्रंत बाद ही शिश्ओं की दुखद मृत्यु हो गई। बच्चे पैदा करने के लिए दृढ़ संकल्प, दंपति ने आईवीएफ का एक और दौर अपनाया, जिसके परिणामस्वरूप जून 1986 में स्वस्थ जुड़वां बेटियों का जन्म हुआ।

कई साल बाद चौंकाने वाली खोज : जनवरी 2023 में, जुड़वां बेटियों में से एक ने अपने परिवार की विरासत के बारे में अधिक जानने कराया। अप्रत्याशित थे - उसका डीएनए उसकी माँ से मेल खाता था, लेकिन उसके पिता से नहीं। इस खोज ने परिवार को आगे की जांच करने

डॉ भारती कुलकर्णी ने आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान के निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला

हैदराबाद: प्राप्त समाचार के अनुसार प्रशंसित चिकित्सक-वैज्ञानिक डॉ. भारती कुलकर्णी ने आईसीएमआर-राष्टीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएन) के निदेशक का पदभार संभाला। डॉ. कुलकर्णी ने पुणे विश्वविद्यालय से बाल रोग में विशेषज्ञता हासिल की है और जॉन्स हॉपिकन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, यूएसए से सार्वजनिक स्वास्थ्य में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ऑस्टेलिया से डॉक्टरेट की डिग्री हासिल की है। उन्होंने 20 से अधिक वर्षों तक आईसीएमआर-एनआईएन में एक वैज्ञानिक के रूप में काम किया और पिछले तीन वर्षों से, वह भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली में प्रजनन और बाल स्वास्थ्य और पोषण विभाग के प्रमख का पद संभाल रही हैं। उन्होंने महत्वपूर्ण सार्वेजनिक स्वास्थ्य पोषण समस्याओं, विशेष रूप से मात एवं शिशु पोषण के क्षेत्र में, जिसमें एनीमिया, बचपन में कुपोषण, स्वास्थ्य और बीमारी की विकासात्मक उत्पत्ति, शरीर की संरचना, आहार विविधता को बढावा देने के लिए समुदाय-आधारित हस्तक्षेप, कृषि-पोषण संबंध शामिल हैं, पर कई बड़ी बहु-केंद्रित शोध परियोजनाओं की अवधारणा बनाई और उनका नेतत्व किया है। इन अध्ययनों से उत्पन्न साक्ष्य ने स्वास्थ्य और पोषण नीतियों और कार्यक्रमों को मजबूत करने में योगदान दिया है। उन्होंने छोटे बच्चों के लिए पूरक आहार में सुधार, भारतीय बच्चों के लिए विकास और वृद्धि मानकों के मानदंडों को उन्नत करने और एनीमिया और मृत जन्म को कम करने के लिए आईसीएमआर की बहु-साइट राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान प्राथमिकता परियोजनाओं की अवधारणा और आरंभ में भी योगदान दिया है।







10 JANUARY



शामली ड्रग इंस्पेक्टर पर रिश्वत लेने का आरोप, जांच शुरू

शामली: प्राप्त समाचार के अनुसार भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोप में शामली डग इंस्पेक्टर के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। सोशल मीडिया पर डुग इंस्पेक्टर निधि पांडे और एक फार्मेसी मालिक सहित दो लोगों को कथित तौर पर दिखाने वाला एक वीडियो खूब शेयर किया जा रहा है। माना जा रहा है कि यह एक साल से भी पुराना है, इस क्लिप में तीनों के बीच बातचीत होती है, जिसके दौरान फार्मेसी का निरीक्षण कर रही पांडे मालिक से रिश्वत मांगती हैं। कथित तौर पर फार्मेसी बिना वैध लाइसेंस के चल रही थी और नशीले पदार्थों का भंडारण कर रही थी। पांडे ने एक वीडियो बयान में आरोपों को खारिज किया और स्थानीय संगठनों पर उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। शामली के जिला मजिस्ट्रेट अरविंद कुमार चौहान ने कहा कि आरोपों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं, जिसकी अध्यक्षता अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक) करेंगे। एडीएम ने फार्मेसी का निरीक्षण किया। शामली केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष देवराज सिंह मलिक ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि इंस्पेक्टर, जिसे तीन साल पहले इस पद पर नियक्त किया गया था, भ्रष्ट आचरण में लिप्त था। मलिक ने दावा किया कि लगभग 12 संबंधित वीडियो के साथ शिकायतें डीएम और अन्य अधिकारियों को सौंपी गर्ड थीं, और इन आरोपों की जांच चल रही थी। शामली पांडे की पहली पोस्टिंग थी।

PHARMA 800+Products Opportunity **SALIENT FEATURES** TRADEMARK REGISTERED ZERO INFILTERATION **TIMELY DELIVERY** EXCLUSIVE MARKETING RIGHTS TECHNO-COMMERCIAL TRAINING VISUAL AID / MR BAGS / GIFT/ SAMPLES **QUALITY OF INTERNATIONAL STANDARD** DYNAMIC PRODUCT PORTFOLIO / LBC VISITING CARDS / PRODUCT GLOSSARY PRESCRIPTION PAD /STICKERS CATCH COVERS / GIFT ARTICLES REQUIRE MARKETING AGENTS/ BUSINESS PARTNERS/FRANCHISEE **IN VACANT AREA** SUDHIR LIFE SCIENCES PVT LTD OFFIN SPRANZA VITA

CDSCO: गुणवत्ता पर खरी नहीं उतरीं 111 दवाएं, दो नकली मिलीं; कानूनी कार्यवाही शुरू करेगा स्वास्थ्य मंत्रालय

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने देशभर में दवा दुकानों से नमूने लिए medicine, delivering life-saving drugs थे। इनमें से 41 दवाओं के नमूनों की जांच संगठन और केंद्रीय प्रयोगशालाओं में की गई। 70 की जांच राज्ये की प्रयोगशालाओं में की गई थी। इनमें गैस, बखार. सांस की दवाएं शामिल हैं। दवाओं की गुणवत्ता की जांच के अभियान में नवंबर में 111 दवाएं मानकों पर खरी नहीं पाई गई। जांच में दो दवाएं





नकली मिलीं, जिनके उत्पादकों का कछ पता नहीं है। इनके नमने बिहार और गाजियाबाद से लिए गए थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय अब इस मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर रहा है। दवाओं को बाजार से हटाने के निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने देशभर में दवा दुकानों से नमूने लिए थे। इनमें से 41 दवाओं के नमूनों की जांच संगठन और केंद्रीय प्रयोगशालाओं में की गई। 70 की जांच राज्य की प्रयोगशालाओं में की गई थी। इनमें गैस, बुखार, सांस की दवाएं शामिल हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया, बिहार और गाजियाबाद में जिन दो दवाओं के नमूने नकली मिले हैं, उन्हें बड़ी कंपनी के नाम पर बनाया गया है। नकली दवाओं के मामले में 10 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। बिहार से पैन-40 नामक गैस की दवा नकली पाई गई है, जिसका बैच नंबर 23443074 है। गाजियाबाद से एमोक्सिसिलिन और पोटेशियम क्लैवुलैनेट टैबलेट (ऑगमेंटिन 625 डीयूओ) का नमूना नकली पाया गया है, जिसका बैच नंबर 824डी054 है

IIT-Bombay offers painless 'shock syringe' alternative to needle

Mumbai: As per news received While needles have been the workhorses of and vaccinations, the sight of a syringe evokes dread — especially among children. Now, a breakthrough from IIT Bombay offers a painless alternative. Led by Prof Viren Menezes from the department of aerospace engineering, IIT Bombay researchers have developed a needle-free solution: The shock syringe. It uses high-energy shock waves, traveling faster than sound, to gently and effectively deliver drugs without piercing the skin with a needle. Their research on laboratory rats has been published in the 'Journal of Biomedical Materials & Devices'.

This device not only ensures patient comfort, but also addresses critical safety and efficiency challenges in drug delivery," said lead author Priyanka Hankare. The shock syringe, no bigger than a ballpoint pen, is powered by a micro shock tube system. Using pressurised nitrogen gas, the device generates a rapid microjet of liquid drug, which penetrates the skin at speed double that of a commercial airplane at takeoff. Unlike traditional syringes, which rely on sharp needles, the shock syringe employs the physics of compressed airwaves to deliver medication. ensuring a virtually painless experi-

ence. In tests with laboratory rats, the shock syringe performed on par with, or even better than traditional needles. For viscous drugs like antifungals, it delivered medication deeper into the skin layers, improving efficacy. When insulin was administered to diabetic rats, the shock syringe not only lowered blood sugar effectively but also maintained stable levels for a longer duration compared to needle injections.

Moreover, tissue analysis showed reduced inflammation and quicker healing, as the shock syringe caused minimal damage to skin. Beyond the promise of pain-free injections, the shock syringe could revolutionise public health, said the IITB researchers. Immunisation campaigns, often slowed by logistics and risks of needle-based systems, could become faster and safer. The device also mitigates the danger of needle-stick injuries, which can transmit bloodborne diseases by eliminating the need for needles altogether. With a capacity to deliver 1,000is required, the shock syringe is a costeffective and sustainable solution. Hankare added while the potential is immense, its clinical adoption will hinge on further innovation, regulatory approval, affordability and accessibility.

हार्दिक शूभकामनाएं

इंजेक्शन लगाने से बच्चे की मौत

जैसलमेर: जैसलमेर के जिला सरकारी अस्पताल के पास plus shots before a nozzle replacement एक मेडिकल स्टोर पर एक निजी कंपाउंडर द्वारा इंजेक्शन लगाए जाने के बाद दो साल की बच्ची रबीना की मौत हो गई। उसके रिश्तेदारों ने बताया कि रबीना को हल्की सर्दी-खांसी थी। इंजेक्शन लगने के बाद उसकी हालत तेजी से बिगड़ने लगी और बच्ची के मुंह से झाग निकलने लगे। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रबीना के रिश्तेदार गाजी खान ने बताया कि सरकारी अस्पताल जाते समय परिवार के पास दलालों ने संपर्क किया और बच्ची की मां को सेवा. निवृत्त शिशु रोग विशेषज्ञ राजेंद्र मेहता से इलाज कराने की सलाह दी, जिन्होंने बच्ची की जांच की और इंजेक्शन लगाया। हेमपाल नामक एक पंजीकृत नर्स ने पांच साल का अनुभव रखते हुए इंजेक्शन लगाया।



स्वास्थ्य विभाग ने अधिकारियों को राज्य के सभी निजी अस्पतालों का ऑडिट करने को कहा

पुणे: प्राप्त समाचार के अनुसार स्वास्थ्य विभाग ने अब राज्य के सभी चिकित्सा अधिकारियों को निजी अस्पतालों का निरीक्षण करने, अधिक शुल्क लेने, अग्नि सुरक्षा में खामियां और अनुचित जैव चिकित्सा अपशिष्ट निपटान की जांच करने के लिए लिखा है। 4 जनवरी को विभाग के पत्र - सिविल सर्जनों, जिला चिकित्सा अधिकारियों और सभी नागरिक निकायों के चिकित्सा प्रमुखों को संबोधित - निजी अस्पतालों का गहन निरीक्षण करने के लिए कहता ताकि यह जांचा जा सके कि क्या इकाइयां महाराष्ट्र नर्सिंग होम अधिनियम, 1966 के तहत बनाए गए नियमों का पालन कर रही हैं। यह पत्र स्वास्थ्य विभाग के निदेशक डॉ नितिन अंबडेकर द्वारा राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर द्वारा पुणे के यरवदा में क्षेत्रीय मानसिक अस्पताल (आरएमएच) का दौरा करने के एक दिन बाद जारी किया गया

था, जहां उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को स्वच्छता बनाए रखने और कर्मचारियों को भुगतान सहित प्रमुख कर्तव्यों की उपेक्षा करने के लिए फटकार लगाई थी। आरएमएच के दौरे के दौरान, अबितकर स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से काफी परेशान दिखे। बाद में उन्होंने प्रेस को बताया कि उन्होंने अधिकारियों को यह

सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि सरकारी अस्पतालों को अपग्रेड किया जाए और निजी अस्पताल सरकारी मानदंडों का पालन करें। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के साथ यह मेरी पहली बैठक थी। हमने महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना, राज्य बीमा योजना को और अधिक निजी अस्पतालों तक बढ़ाया है, इसलिए यह राज्य सरकार का काम है कि वह देखे कि एमजेपीजेएवाई सही लोगों तक पहुंचे। डॉ. अंबाडेकर ने कहा: सभी निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया जाएगा।

ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे

सार्वजनिक रूप से अपनी दरें प्रदर्शित करें और अधिनियम के तहत मानदंडों का पालन करें। मैंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे उन अस्पतालों और सुविधाओं की सूची तैयार करें जो किसी भी मानदंड का पालन करने में विफल रहते हैं। उन्हें ऐसा करने के लिए एक महीने का समय दिया जाएगा। हम अस्पतालों का अनवर्ती निरीक्षण भी करेंगे और यदि वे नोटिस के बावजूद अनुपालन करने में विफल रहते हैं, तो उन्हें आवश्यक कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। अस्पतालो को अग्नि सरक्षा में खामियां और अनचित जैव चिकित्सा अपशिष्ट निपटान की जांच करने के लिए लिखा है।



Offers Utmost Care To Your Patient Sygnus Biotech

Parties with strong financial background & Pharma experience are Welcome for the Marketing & distribution rights of unrepresented area on MONOPOLY basis.

LATEST MOLECULES

Tablets - Capsules - Dry Syrups - Suspensions - Injections Oral Liquids - Softgels Capsules - Ointments - Nutraceuticals Soaps - Ayurvedic Products

SYGNUS BIOTECH

F/5 To F/9 N.V.Complex, Tavadiya Cross Road, Ahmedabad Abu-Road Highway, Sidhpur-384151 (Gujarat) INDIA. (A WHO-GMP Certified Company)



Phone: +91 9825324786, +91 9925072770 Email: info@sygnusbiotech.com Website: www.sygnusbiotech.com







-�

10 JANUARY PHARMA NEWS

जन्मदिन पर ढेर सारी शुभकामनाएं





B.S.R

ALWAR

GONDIA

NASHIK

SUNDAGARH

BARGARH

NAGPUR

हैदराबाद के प्रसिद्ध डॉक्टर ने कहा कि एचएमपीवी कोई नया वायरस नहीं है, जिससे चीन में इसके फैलने की आशंका कम हुई

नई दिल्ली: सोशल मीडिया पर चीन में मंत्रालय में स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक भीड़भाड़ वाले चिकित्सा सुविधाओं के व्यापक अतुल गोयल ने पुष्टि की है कि भारत में अब दृश्यों के बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन तक एचएमपीवी का कोई मामला सामने नहीं

(डब्ल्यूएचओ) या चीन रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र मानव मेटान्युमोवायरस (एचएमपीवी) के प्रकोप के संबंध कोई आपातकाल घोषित नहीं किया गया है। इंफेक्शन कंट्रोल एकेडमी ऑफ

सभी देशवाशियों को **गणतंत्र दिवस**की

हार्दिक शुभकामनाएं

SATYAM GOEL, 9837033236

ASTRON PHARMACEUTICALS

C-89, STREET-1, THAPAR NAGAR
-Meetur (U.P)

इंडिया अध्यक्ष डॉ रंगा रेड्डी बुरी के अनुसार , यह श्वसन वायरस आमतौर पर फ्लू जैसे लक्षणों का कारण बनता है जो दो से पांच दिनों तक रहता है। यह मुख्य रूप से ऊपरी और निचले श्वसन पथ को प्रभावित करता है, जिसमें सामान्य सर्दी या मौसमी फ्लू जैसे लक्षण होते हैं। डेक्कन क्रॉनिकल की रेपोर्ट के अनुसार, डॉ बुरी ने बताया कि एचएमपीवी के अधिकांश मामले हल्के होते हैं, लेकिन वायरस छोटे बच्चों, वृद्धों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों सहित कमजोर समूहों में गंभीर श्वसन बीमारी पैदा कर सकता है। डॉक्टर ने आगे बताया कि एचएमपीवी कोई नया वायरस नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर इससे परिचित हैं कि इसे कैसे प्रबंधित किया जाए। रिपोर्टों के अनुसार, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण

आया है।

कौन हैं डॉ रंगा रेड्डी बुरी?
डॉ रंगा रेड्डी बुरी एक प्रसिद्ध

डॉ रंगा रेड्डी बुरी एक प्रसिद्ध चिकित्सक और अनुभवी एमडी फिजिशियन हैं, जिन्होंने मिन्स्क, बेलारूस में अपनी चिकित्सा शिक्षा और भारत के पांडिचेरी में आगे का प्रशिक्षण पूरा किया है। डॉ बुरी इंफेक्शन कंट्रोल एकेडमी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष हैं और इंफेक्शन कंट्रोल ट्रेंड्स के मुख्य संपादक के रूप में कार्य करते हैं। वह भारतीय लोक स्वास्थ्य संस्थान (PHFI) के सलाहकार हैं और सनमेड हेल्थकेयर और करकापटला बायोटेक IALA में निदेशक पदों पर हैं चिकित्सा विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा और दवा उद्योग में एक प्रसिद्ध नेता हैं, जिनके पास 50 से अधिक देशों में वैश्वक नेटवर्क और

ते से अधिक देशों में वैश्विक नेटवर्क । व्यावहारिक अनुभव है।

टीबी की सूचनाओं में यूपी शीर्ष पर, 2024 तक

्6.7 लाख से अधिक रोगियों की पहचान

लखनऊ: उत्तर प्रदेश ने 2024 में क्षय रोग (टीबी) की अधिसूचनाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जिसमें 6.73 लाख रोगियों की पहचान की गई और केंद्रीय टीबी प्रभाग द्वारा निर्धारित 6.5 लाख के अपने लक्ष्य को पार कर लिया।

कहा कि मथुरा, आगरा, कानपुर, गोरखपुर और झांसी जैसे शहरों में निजी डॉक्टरों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जहां उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है। लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली और गाजियाबाद जैसे शहरों में सरकारी और निजी क्षेत्र

यूपी के बाद, महाराष्ट्र ने 2.25 लाख मामलों की की, पहचान ने दो बिहार लाख, जबिक मध्य प्रदेश और राजस्थान क्रमश: 1.78 लाख और 1.70 लाख मामले दर्ज किए। राज्य टीबी अधिकारी डॉ. शैलेंद्र भटनागर ने



श्रेय एकीकृत निक्षय दिवस, सिक्रय कंस फाईडिंग (एसीएफ) और दस्तक जैसे अभियानों को दिया, जो शुरुआती लक्षणों का पता लगाने और सामुदायिक भागीदारी पर कोंद्रेत थे। उन्होंने कहा, यह सफलता टीबी के मामलों का पता लगाने और उनके इलाज में राज्य के मजबूत प्रयासों को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि उच्च जोखिम वाले समूहों में पहचान को और बेहतर बनाने के लिए वर्तमान में 100-दिवसीय गहन टीबी अभियान चल रहा है। उन्होंने यह भी

की अधिसूचनाएँ संतुलित थीं। हालाँकि, श्रावस्ती में पिछले साल सिर्फ 44 निजी अधिसूचनाएं दर्ज की गईं, जो इस क्षेत्र में निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी की आवश्यकता को दर्शाता है। सीमित निजी अधिसूचनाओं वाले अन्य जिलों में महोबा (255), सोनभद्र (374), चित्रकूट (376), हमीरपुर (380), कन्नौज (444), सुल्तानपुर (444), अमेठी (447), संत रिवदास नगर (456), चंदौली (488) और कानपुर देहात (468) शामिल हैं।

मनोरोग अस्पताल और डॉक्टरों के लिए अब रजिस्ट्रेशन करवाना जरूरी

SHRI YOGENDRA KUMAR JI

SHRI SANJAY D. BAVISKAR JI

SHRI SOURABH KU. GUPTA JI

SHRI SAROJ KUMAR MISHRA JI

SHRI SAURABH PAKHMODE JI

SHRI MANOJ JI

SHRI SUMIT GUPTA JI

जयपुरः मनोरोग अस्पताल और डॉक्टरों के लिए अब राजस्थान में रिजस्ट्रेशन करवाना जरूरी हो गया है। मनोरोग चिकित्सा संस्थानों और इससे जुड़े प्रोफेशनल्स के लिए रिजस्ट्रेशन ऑनलाइन होगा। यह निर्णय राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण की पिछले दिनों हुई बैठक में लिया गया है। प्राधिकरण की बैठक में फैसला लिया गया कि मनोरोग अस्पतालों और नशा मुक्ति केंद्रों के नियमानुसार संचालन के लिए एसओपी तैयार की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और जिला प्रशासन के एक-एक प्रतिनिधि को शामिल कर टीम बनाई जाएगी। यह टीम नशा मुक्ति केंद्रों का नियमित निरीक्षण करेगी और नियमों के विपरीत चल रहे नशा मुक्ति केंद्रों पर कार्रवाई की जाएगी।

करूणा एवं स्नेह की प्रतिमूर्ति

स्वः चन्द्रकला देवी जी

का पुण्य तिथि (08.01.2025)

हमारा कोटि-कोटि नमन

आपके ममतामयी सान्धिय में रहकर ही हम अपने कर्तव्यों के पालन में सफल रहे.

समस्त गर्ग परिवार

मैडीकल दर्पण फार्मा दर्पण व्दक्ता क्षी सरावती शिशु मन्दिर দোর্সা তথুতা ADR (Advance Drug Reckoner) জী. ধী. ভিগ্নী কাঁল্লিज

Over 141 acres land allocated to set up pharma park in Naya Raipur

05/02/1977 | 9929140314

07/02/1970 | 9822847839

07/02/1984 | 9937365810

09/02/1982 | 9371828771

05/02/1987

06/02/1985

08/02/1972

8273304439

8087334959

7752002530

Raipur: Chhattisgarh is positioning itself as a new pharmaceutical centre in central India, with the Naya Raipur Atal Nagar Development Authority allocating 141.84 acres in Sector-22 to foster research, development, and international investment in pharmaceuticals. The Chhattisgarh State Industrial Development Corporation (CSIDC) received this land allocation for establishing a pharmaceutical park. The state govt's representative emphasises that developing Chhattisgarh requires strengthening and making healthcare services more accessible to citizens.

The pharmaceutical park initiative aligns with this goal, supported by the new industrial policy 2024-30, which offers various facilities and concessions to pharmaceutical industries. The administration anticipates that this project will draw both domestic and international investments, foster competition in the pharmaceutical sector, create employment for local youth, and enhance the state's economic growth. "With the establishment of the pharmaceutical park, we will be able to easily meet the growing demand for healthcare products at the domestic and global levels. Through Chhattisgarh's Shaheed

Veer Narayan Singh Ayushman Health Scheme, 77.20 lakh families in the state are getting free treatment up to Rs 5 lakh, which is aimed to be increased to Rs 10 lakh in the coming times," stated the govt spokesperson. The facility will provide comprehensive support for pharmaceutical units specialising in Ayush products, featuring modern infrastructure including a flatted factory complex and a common effluent treatment plant (CETP).

The state govt offers 100%

industrial investment promotion on capital investments for large-scale pharmaceutical enterprises. Units receive reimbursement of up to 100% of net SGST paid for 12 years from the start of commercial production or a capital investment grant. The administration provides grants of Rs 60 crore for investments between Rs 50-200 crore, Rs 150 crore for investments between Rs 200-500 crore, and Rs 300 crore for investments exceeding Rs 500 crore. Additional benefits under the new industrial policy include a 12-year electricity charge exemption, stamp duty waiver, and 50% reimbursement on registration fees and new electricity connection charges.







10 JANUARY

Extended deadlines for implementation of Medical Textile **Quality Control Order (QCO)**

This concession

business operations.

the new regulations with-

+91 99967 75867, +91 97293 55867

The Ministry of Textiles, Government of India, issued Control Order (QCO) for medical textiles, Medical

Quality Textiles (Quality Control) Order 2024, to

ensure safety and efficacy of critical products covered आप सभी को under this segment. In recognition of the unique challenges by

की हार्दिक बधाई एवं faced शभकामनाएँ Small and Medium Enterprises S.S. MULTISPECIALITY HOSPITAL (SMEs) the Ministry Kacheri Road, Shanidev Mandir, Bulandshahr (U.P) has granted an additional extension in the timeline to comply with the ibid QCO i.e. upto 1st April 2025 (to the SME specifically industry),

items under

namely

Schedule A of the

Sanitary napkins, Baby

order,

smooth transition, manufacturers and importers have been granted a timeframe of 6-month i.e. upto 30th June 2025, as a transition period to clear their existing legacy stock. This provision will enable the industry to adjust to the new quality standards without signifi-

Dr. Arun Bansal



New Generation Molecules TabletsCapsulesOintment/GelSun ScreenShampooFace WashDusting PowderMouth Wash Dry Syrup/Syrup/Suspension Injectable Protein Powder Brand promotional inputs available like:

Catch Cover **OVER 1200 SATISFIED CUSTOMER** All Brands are Trademark International Standard Packing chisee/Promoters with sound financial background & pharma selling

abc Biocare WELLSBURG Solacia Solacia GOIND R.C. B NO. 2, ROOM NO. 15, CHEMBUR COLONY, CHEMBUR, MUMBAI-400074

FICE: PARK DRIVE, MELVILLE, NEW YORK - 11747 U.S.A. CORPORATE OFFICE:



गैर-क्लीनिकल प्रोफेसर मरीजों की देखभाल का काम संभालेंगे

कोलकाताः स्वास्थ्य विभाग के एक नए परिपत्र में कहा गया है कि एनाटॉमी और फिजियोलॉजी जैसे गैर-क्लीनिकल विषयों के प्रोफेसरों को अब राज्य द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में भर्ती मरीजों की देखभाल सहित अन्य अस्पताल संबंधी कार्य भी करने होंगे। अधिकारियों ने इस कदम के पीछे के तर्क को स्पष्ट करते हुए कहा कि योग्य चिकित्सकों का एक बड़ा समूह, जो अब तक केवल व्याख्यान दे रहे थे, को अत्यधिक व्यस्त सरकारी संस्थानों में चिकित्सा संबंधी कार्य करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, गैर-क्लीनिकल प्रोफेसर सभी एमबीबीएस डिग्री धारक हैं और मरीजों की जांच और उपचार करने के लिए योग्य हैं। चूंकि राज्य द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों की कमी है।

पशु-पक्षियों का दम घोंट रही निमेसुलाइड की बिक्री पर प्रतिबंध, अब नहीं होगा इस दवा का उत्पादन

ने निमेसुलाइड दवा पर शोध किया था। इसमें पाया कि यह पशु-पक्षियों के लिए बेहद खतरनाक है। संस्थान की ओर से सरकार से इस पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई थी। पशुओं के लिए दर्द निवारक के तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली निमेसुलाइड दवा के उत्पादन, बिक्री और वितरण को केंद्र सरकार ने प्रति. बंधित कर दिया है। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान इज्जतनगर के वैज्ञानिकों ने शोध के बाद पाया कि यह पश्-पिक्षयों के लिए बेहद खतरनाक है। इसलिए सरकार से इस पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी।

आईवीआरआई वन्य प्राणी विभाग के प्रभारी प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अभिजीत पावडे के मुताबिक कोरोना will महामारी के दौरान गुजरात में एक गाय के शव पर चार enable SMEs to adapt to गिद्ध मृत मिले थे। पक्षियों के संरक्षण के लिए कार्य कर रहीं संस्था साइकॉन के वैज्ञानिक डॉ. मुरलीधरन ने out compromising their इस पर शोध किया। उन्होंने मृत गाय के मांस और गिद्धों Further to facilitate a द्वारा खाए गए मांस की जांच की तो उसमें निमेस्लाइड

पाई गई। दावा किया कि गाय को निमेसलाइड दवा दी गई थी। मरने के बाद उसके शव को फेंक दिया गया, जिसे गिद्धों ने खाया और उनकी मौत हो गई। इसकी पुष्टि के लिए भारतीय मूल के साउथ अफ्रीकन वैज्ञानिक विनी नायडु ने भी शोध किया। इसमें पता चला कि गायों को निमेसुलाइड की डोज देने से ही उनकी तबीयत बिगड़ी और मौत हुई। वर्ष २०२१-२०२२ में दावों की पड़ताल का जिम्मा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने आईवीआरआई इज्जतनगर को सौंपा।

जेसीबीसी में किया था शोध, मर गए थे दो

KGH to set up a new casualty block with Rs 35 crore

Visakhapatnam: As per news received King George Hospital in Visakhapantam has announced plans to develop a new casualty block with about Rs 35 crore, funded by a public sector undertaking. proposed block will feature advanced surgical facilities and diagnostic

equipment, including CT and MRI imaging, catering to a variety of medical specialties such as general surgery, orthopaedics, and neurosurgery.

The emergency operation theatres within the block will be equipped to handle critical cases, ensuring immediate intervention in life&threatening situations. Proposed to be set up near the hospital's entrance, this new block is enpected to enhance accessibility for patients requiring urgent care. Serving as a crucial healthcare facility for patients from north coastal Andhra Pradesh and neighbouring Odisha and Chhattisgarh, KGH attended to numerous emergencies throughout 2024- The hospital provided entensive critical care to 42 students following a tragic food poisoning incident in Kotauratla of Anakapalli district, which resulted in the death of three students-KGH managed victims of various industrial accidents, including the deadly gas leak at Escientia Pharma, and performed post&mortem eñaminations on the 12 victims of the Escientia incident.



गिद्धों को निमेसुलाइड, दो को पैरासिटामॉल की ओरल डोज दी। जिन्हें पैरासिटामॉल दी, वे छह घंटे असहज रहे, फिर सामान्य हो गए। जिन्हें निमेसलाइड दी गई. वे २० घंटे में मर गए। शोध में डॉ. डी स्वरूप, डॉ. मोहिनी सैनी, डॉ. एके शर्मा, डॉ. चंद्रमोहन, डॉ. करिकलन शामिल रहे। तीन और दर्द निवारक दवाओं पर लगा प्रतिबंध : डॉ. पावड़े के मुताबिक, गिद्धों की विलुप्त हो रही प्रजाति की वजह जानने के लिए आईवीआरआई को पूर्व में प्रोजेक्ट मिला था। डाइक्लोफिनेक दर्द निवारक दवायुक्त

गिद्ध : डॉ. पावडे के नेतृत्व में हरियाणा के पिंजौर

स्थित जटायु संरक्षण प्रजनन केंद्र (जेसीबीसी) के दो

मांस खाने से गिद्धों की मौत का पता जांच में चला था। इससे गिद्ध को गाउट बीमारी हो रही थी। यरिक एसिड के क्रिस्टल लिवर में चुभने से और किडनी खराब होने से उनकी मौत हुई। फिर वैकल्पिक एसीक्लोफिनेक, कीटोप्रोफेन दवा भी गिद्धों की मौत की वजह बनी। डीजीसीआई ने इन पर प्रतिबंध लगा रखा है। अब विकल्प के तौर पर दर्द निवारक दवा मैलोक्सीकैम, टेलाफेलानिक एसिड की संस्तुति आईवीआरआई ने की है।

शोध को मानने से इन्कार करने लगे थे अधिकारी : आईवीआरआई के वैज्ञानिकों ने जीसीबीसी में हुए शोध का प्रस्तुतीकरण बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी (बीएचएनएस) के समक्ष किया। एकबारगी अधिकारी भी हैरान हुए और इसे मानने से इन्कार करने लगे। तब उनको डॉ. मुरलीधरन और डॉ. विनी नायडू के शोध का हवाला दिया गया। ३० दिसंबर २०२४ को केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने प्रतिबंध का गजट जारी कर दिया

Enplaining about the plans for the New Year, Dr- P Sivananda, superintendent of KGH, said that the hospital is set to introduce a linear accelerator (LINAC) machine in its radiotherapy wing at the CSR block with Rs 16 crore- "This advanced equipment will allow for targeted cancer treatment] focusing on destroying malignant cells while minimising damage to surrounding healthy tiss ue, said ivananda.

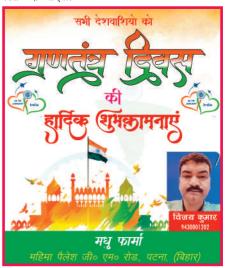
The hospital recently launched a pilot study in the paediatric department to treat haemophilia inhibitor patients using Emicizumab a drug that mimics the function of factor 8 in blood clotting. Traditional treatments often become ineffective in patients who develop inhibitors after repeated factor 8 therapies-Emicizumab offers an effective alternative and is easier to administer- The cost of one 30 mg vial of Emicizumab is Rs 43,000 translating to an annual treatment cost of Rs 26 lakh for a single patient. However, the government is subsidising the treatment for two patients providing free medication worth Rs 52 lakh. This therapy aims to prevent uncontrolled bleeding during injuries, safeguarding against severe complications such as shock, intracranial haemorrhage, joint damage, and permanent disability. Our sincere thanks go to the state govt for supporting this costly but life&saving treatment, added Dr Sivananda.





नकली दवाइयों की जांच में तीन फर्म के नाम सामने आए

आगरा (उप्र): नकली दवाइयों की जांच में तीन फर्म के नाम सामने आए हैं। दवा माफिया विजय गोयल अपनी अवैध फैक्टरी में गुजरात और उत्तराखंड की कंपनियों के नाम से दवाएं बनाता था। जांच में ये दवाएं नकली पाई गई हैं। अब मामले की जांच के लिए औषधि विभाग की टीम गुजरात और उत्तराखंड जाएगी। इसके लिए उसे खाद्य सरक्षा एवं औषधि प्रशासन मख्यालय से अनमति ली गई है। सहायक आयुक्त औषधि अतुल उपाध्याय ने बताया कि आरोपी विजय गोयल तीन फर्मों के नाम से नकली दवाएं बनाता था। जब्त दवाओं पर गुजरात और उत्तराखंड की कंपनी के नाम दर्ज हैं। इसमें गुजरात के अंकलेश्वर की वीके लाइफ साइंस और उत्तराखंड हरिद्वार की प्योर एंड क्योर कंपनी है। इन कंपनियों में जांच के लिए मुख्यालय से अनुमित ली गई है। अब औषधि निरीक्षकों की टीम दोनों राज्यों में भेजेंगे। इसमें कंपनी की फैक्टरी का निरीक्षण करेंगे। यहां बन रही दवा और नकली मिली दवाओं के रैपर, बैच नंबर समेत अन्य का मिलान किया जाएगा। जांच पूरी होने के बाद पुलिस को रिपोर्ट दी जाएगी।



Sick season is in full force. What the latest CDC figures show

New Delhi: The holidays came with a side of flu for many Americans, with 40 states reporting high or very high levels of illness last week, according to the latest government health data. "A lot of flu out there," said the Centers for Disease Control and Prevention's Carrie Reed. Of course, there are a number of bugs that cause fever, cough, sore throat and other flu-like symptoms. One is COVID-19. Another is RSV, or respiratory syncytial virus, which is a common cause of cold-like symptoms but can be dangerous for infants and the elderly. The most recent CDC hospitalization data and other indicators show that the flu virus is trending higher than the other germs, Reed said. Several seasonal flu strains are driving cases, with no dominant one, she added. Pediatric hospitals have been busy since November with RSV, but "influenza has now joined the party," said Dr. Jason Newland, an infectious diseases specialist at Nationwide Children's Hospital in Columbus, Ohio. "Now we're really starting to roll," he added. "Our hospitals are busy. Where flu illnesses are the highest One indicator of flu activity is the percentage of doctor's office visits driven by flu-like symptoms.

जनवरी एवं फरवरी माह के व्रत एवं त्यौहार 10.01.2025 एकादशी विश्व हिन्दी दिवस 10.01.2025 12.01.2025 युवादिवस 13.01.2025 लोहडी 14.01.2025 मकर सक्रांति 23.01.2025 पराक्रमदिवस गणतंत्र दिवस 26.01.2025 वसंत पंचमी 02.02.2025



PHARMA NEWS 10 JANUARY

+ Veterinary 1 Division + MANUFACTURER of ECTOPARASITICIDES

Email-id: sales.grampus@gmail.com



1. AMITRAZ 2. AMITRAZ -2% POUR ON

3. FLUMETHRIN

4. CYPERMETHRIN -1%, 10%,12%, 15%

5. CYPERMETHRIN -10% + ETHION 8%

6. CYPERMETHRIN -1%, 10% POWDER 7. DELTAMETHRIN -1.25% , 1.75%, 2.5%

8. PERMETHRIN

9. FIPRONIL

ALL PACKS AVAILABLE IN ALUMINIUM, TIN & PET BOTTLES 6ml, 15ml WALL HANGING TRAY PACKS AVAILABLE

-2%, 5%, 10%, 11%

-0.25%, 1%, 9.7%

-1% POUR-ON

FOR PCD & THIRD PARTY: 099960-19744. 78762-20222. GRAMPUS LABORATORIES

XENON

XENON Pharma Pvt. Ltd.

XENON SMASLIFE SXENO

rance of Timely Delivery, High Quality & Cost Effective uct Range.

www.xenonpharma.in XENON Pharma Pvt. Ltd. Confact: +91 9971340555

Resistant Tablets; and Amoxycillin

and Potassium Clavulanate Tablets

and were drawn by drugs inspec-

tors of Bihar and Ghaziabad

manufacturer of the above men-

tioned drugs while the actual manu-

facturer has informed the regulator,

"that the impugned batch of the

product has not been manufactured

by them and that it is a spurious

drug. As per a health ministry state-

CDSCO is yet to identify the

respectively.

41 drugs fail to meet CDSCO quality standards

New Delhi: The central drugs regulator CDSCO has identified 41 drug samples as not of standard quality (NSQ) and has flagged two as Spurious' in its monthly quality review undertaken for the month of November. The two drugs which have been notified as spurious include Pantoprazole . Gastroment, Two drug samples which have been identified as spurious have been made by unauthorised and unknown manufacturers, using brand names owned by other companies. Investigation has been initiated in the matter." The list of drugs and formulations which have been as NSQ includes identified

Tofacitinib Tablets manufactured by CIPLA Glimepride, Pioglitazone Hydrochloride Metformin Hydrochloride tablets by Ozone Pharmaceuticals; Compound Sodium Lactate Injection by PaschimBanga Pharmaceuticals, among 38 others. Meanwhile, during the same period the state drug testing laboratories have also identified 70 drugs as not of standard quality (NSQ). In order to review and enforce the quality norms the apex drug regulatory body undertakes a continuous regulatory surveillance where drug

samples are picked sales/distribution point. CDSCO labels a drug sample as spurious If it is manufactured under a name which belongs to another drug; if it is an imitation of, or is a substitute for, another drug or resembles another drug in a manner likely to deceive or bears upon it or upon its label; lack of identity with such other drug, among several other conditions specified under respective sections of the Drugs and Cosmetics Act, 1940.

एंटीबायोटिक्स और एलर्जी दवाओं सहित छह सामान्य दवाएं गणवत्ता परीक्षण में विफल रहीं

जयपुर: स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को छह दवाओं की सूची जारी की जो गुणवत्ता परीक्षण में विफल रहीं और बाजार में बेची जा रही हैं। इनमें आम तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली एंटीबायोटिक्स जैसे एमोक्सिसिलिन और क्लवुलैनेट पोटेशियम, एंटी-एलर्जिक दवाएं जैसे लेवोसेट्रीजीन हाइड्रोक्लोराइंड और मोंटेलुकास्ट, गैस्ट्रो-रेसिस्टेंट दवा पैंटोप्राजोल और सेफपोडोक्साइम शामिल हैं, जो एक एंटीबायोटिक दवा है। ये दवाएं गुणवत्ता परीक्षण में विफल रहीं क्योंकि इनमें वादा किए गए औषधीय तत्व नहीं थे। ये दवाएं बेंगलुरु, पंजाब, सिक्किम, मोहाली और हिमाचल प्रदेश में निर्मित की गई थीं। प्रीगैबलिन दवा का एक नमूना, जो एंटीकॉन्वल्सेंट नामक दवाओं के एक वर्ग में है, गुणवत्ता परीक्षण में विफल रहा क्योंकि इसमें प्रीगैबलिन की मात्रा शन्य पाई गई। दवा मोहाली की एक कंपनी द्वारा निर्मित की गई थी। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जिलों में औषधि नियंत्रण अधिकारियों को सतर्क रहने और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें उन कंपनियों द्वारा निर्मित अन्य दवाओं के नमूने एकत्र करने के निर्देश दिए गए हैं जिनके नम्ने गुणवत्ता परीक्षण में विफल रहे हैं।

बेंगलुरु स्थित एक फर्म द्वारा निर्मित एमोक्सिसिलिन और क्लेवुलनेट पोटेशियम के नमूने विफल हो गए क्योंकि उनमें वादा की गई कोई भी दवा नहीं थी। इससे पहले स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक रिपोर्ट जारी की गई थी, जिसमें निमेसुलाइड और पैरासिटामोल (दर्द निवारक). फेनिरामाइन मैलेट इंजेक्शन (एलर्जी की स्थिति के लक्षणों का इलाज करने के लिए), कैल्शियम कार्बोनेट और विटामिन डी 3 सस्पेंशन का संयोजन (हड्डी की समस्या या कम कैल्शियम और विटामिन डी के स्तर वाले लोगों के लिए आहार अनुपूरक), टेल्मिसर्टन, एम्लोडिपिन और हाइड्रोक्लोरोथियाजाइड का संयोजन (उच्च रक्तचाप का इलाज करने के लिए), टेल्मिसर्टन और एम्लोडिपिन का संयोजन (उच्च रक्तचाप के लिए), लेवोसेट्रिजिन डाइहाइड्रोक्लोराइड और मोंटेलुकास्ट का संयोजन (एलर्जी के कारण छींकने और नाक बहने से राहत देता है)।

Free dialysis service launched at SDM Hospital

Mangaluru: To support economically underprivileged patients, SDM Multispecialty Hospital launched a free dialysis scheme worth Rs 1-4 crore annually said Hemavati V Heggade after inaugurating the free dialysis services at SDM Multispecialty Hospital in Ujire on Wednesday. Dialysis patients require continuous care and incur significant enpenses for their treatment. This becomes a challenge for poor patients as their savings are often spent entirely on such medical care. To address this free dialysis services were initiated as per the vision of Dharmasthala Dharmadhikari D Veerendra Heggade, she said.

Several initiatives to support the poor and needy have been undertaken by Śri Kshetra Dharmasthala. As part of this, ^Sampurna Suraksha, a comprehensive health insurance plan for patients, was also implemented she informed-Speaking on the occasion hospital MD M Janardhan highlighted that the dialysis services were introduced at Multispecialty Hospital in Jan 2022. "The hospital has 11 dial-

ysis machines in an air&conditioned facility. More than 30 dialysis sessions are conducted daily and over 10,000 dialysis procedures were completed so far. The facility has been a boon for patients in and around Beltangady taluk. The introduction of the free dialysis services is enpected to further benefit many patients" he added. Each dialysis session costs Rs 1,500 and patients typically require three to four sessions per week. With the introduction of the free dialysis services patients can save between Rs 12,000 and Rs 24,000 per

BADRIVAS BIOTECH Pvt. Ltd.

BADRIVAS BIOTECH PVT. LTD.

Khasra No. 10 & 11 Village. Makkhanpur Bhagwanpur Roorkee-247661, Dist. Haridwar (Uttarakhand)



Contact For Export, Manufacturing & Franchise Approved Section

Tablets | Capsules | Liquid | Ointment | Nutraceuticals We have more than 5500 Approved Molecules



Contact No. :- +91 72538 01212 , +91 72538 11212, +91 92580 45068 Email:-badrivasindia@gmail.com | www.badrivasbiotech.com

Leo Puri appointed Fortis Healthcare Chairman

Healthcare Ltd announced the appointment of Leo Puri as the Chairman of its Board of Directors. Puri, who is an independent and non-executive director assumes the role with effect from

New Delhi: As per news received Reddy's Laboratories, further demonstrating his extensive expertise and strategic insight across diverse sectors. An accomplished leader and financial sector veteran with over four decades of experience, Puri has held several high-



December 27, 2024, Fortis Healthcare Ltd said in a regulatory filing. He will play a crucial role in guiding Fortis Healthcare's strategic direction and operations at a group level, steering the organisation towards innovation, growth, and industry leadership, it added. At present, Puri serves on the boards of industry-leading organisations, including Tata Sons, Hindustan Unilever, and

कर्म

ही पूजा

impact leadership roles in prominent global and Indian organisations, the company said. His previroles include Executive Chairman for South & Southeast Asia at JP Morgan Chase, Senior Partner at McKinsey & Company, Managing Director at UTI Asset Management Company, Managing Director and General Partner at Warburg Pincus and held several board positions too, it added.



Beijing. The new virus has spread its legs in China. People are very terrified by this new virus. Actually, a video is viral on social media. In the video. patients suffering from human metapneumovirus are seen in the country's hospital. It is being claimed in the media post that people are falling ill due to many viruses in China. These include patients of influenza A, mycoplasma pneumonia and Covid-19. People are losing their lives due to these viruses. Crowds of people are gathering at the funeral site. It is worth noting that about five years after life came to a standstill due to Covid-19, people are in panic due to the looming threat of another epidemic. However,

Chinese health officials and the World Health Organization have not given any information about the emergence of a new epidemic. Nor has any alert been issued to people to take precautions. The viral video on social media appears to be of the waiting room of the hospital. It is full of patients. Many people are seen wearing masks in the video, while some people are seen coughing. The video has been shared on social media platform X. Its caption shows that it has been shot in China. The post states that Chinese hospitals are filled with outbreaks of 'influenza A' and 'human metapneumovirus', which is similar to the outbreak of Covid-19 three years ago.



MH **Tablets** Capsules Juice Village Gorakhnath, shahpur Road Opposite Krishna Traders, post Office Nanakpur, Tehsil Kakla, Distt Haryana (1) 7017662045, 9317014346, 9816967304, 9317014345, 9317262729, 9805807545 🖟 www.vaneshahealthcare.com 🔀 vaneshahealthcare@gmail.com

VANESHA HEALTHCARE & FORMULATION

THIRD PARTY MANUFACTURING "ALLOPATHY & AYURVEDA" COMPANY

ब्रजेश कुमार गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा हरिहर प्रैस के लिए इम्प्रेशंस प्रिटिंग एण्ड पैकिंग लिमिटेड नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं बी.एन.मैडीकल कॉम्प्लैक्स, बुलन्दशहर से प्रकाशित सम्पादक- ब्रजेश कुमार गर्ग.